अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 13 दिसंबर 2021
मार्गशीर्ष शुक्ल दशमी
विक्रम संवत-2078

PAGE NO : 05 MIDDLE

'हब्बा खातून': गरीब शायरा के कश्मीर की मलिका बनने की दास्तां

रिद्धिमा में हब्बा खातून नाटक का मंचन करते कलाकार।

बरेली। एसआरएमएस के रिद्धिमा सभागार में कश्मीरी पृष्ठभूमि पर आधारित नाटक 'हब्बा खातून' का शानदार मंचन किया गया। नाटक में कश्मीर की मशहूर शायरा हब्बा खातून के जीवन के उतार चढ़ाव और संघर्ष को दर्शाया गया।

दिल्ली के रुबरु थिएटर ग्रुप के कलाकारों की इस खूबसूरत प्रस्तुति में हब्बा खातून के गरीब परिवार में पैदा होने से लेकर कश्मीर की मलिका बनने तक के सफर से रूबरू कराया गया। नाटक में हब्बा के बचपन, उनके पढ़ने लिखने के शौक को उभारते हुए शादी तक के सफर को मंच पर उतारा गया। ससुराल के जुल्म को वह अपनी शायरी में बयान करती हैं। कश्मीर के बादशाह यूसुफ शाह चक हब्बा को गीत गाते सुनते हैं और मोहित होकर उन्हें अपनी रानी बना लेते हैं। इस तरह वह कश्मीर की मलिका बन जाती है।

इस नाटक की लेखिका काजल सूरी हैं। उन्होंने ही इस नाटक का निर्देशन भी किया है। हब्बा का किरदार चंद्रानी मुखर्जी ने बखूबी निभाया। संवाद